भारत सरकार
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 4333
दिनांक 20 दिसम्बर, 2024 को उत्तर के लिए

आंगनवाड़ी सेवा योजना

4333. **श्री भास्कर मुरलीधर भगरेः**
डॉ. अमोल रामसिंग कोल्हेः
प्रो. वर्षा एकनाथ गायकवाड़ः
श्री बजरंग मनोहर सोनवणेः
श्री निलेश ज्ञानदेव लंकेः
श्रीमती सुप्रिया सुलेः
श्री धैर्यशील राजसिंह मोहिते पाटीलः
श्री संजय दीना पाटिलः
श्री अमर शरदराव कालेः

क्या **महिला और बाल विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः
(क) आंगनवाड़ी सेवा योजना के अंतर्गत आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के लिए संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का ब्यौरा क्या है;
(ख) महाराष्ट्र राज्य में पिछले तीन वर्षों के दौरान इस योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की संख्या कितनी है;
(ग) क्या सरकार ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के लिए डिजिटल या ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए हैं और यदि हां, तो ऐसा प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों की संख्या कितनी है;
(घ) क्या प्रशिक्षण कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को कोई प्रोत्साहन प्रदान किया जाता है और यदि हां, तो वित्तीय या गैर-वित्तीय प्रोत्साहन सहित इसका ब्यौरा क्या है;
(ङ) क्या आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रमों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए कोई स्वतंत्र प्रभाव मूल्यांकन किया गया है और यदि हां, तो मूल्यांकन के मुख्य निष्कर्ष क्या हैं और पहचानी गई किसी भी कमी या कमजोरियों को दूर करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और

(च) आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम को दीर्घकालिक रूप से अधिक टिकाऊ बनाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का प्रस्ताव है?

उत्तर
महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री
(श्रीमती सावित्री ठाकुर)

(क) से (घ): भारत सरकार ने सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों के कौशल उन्नयन के लिए 10 मई, 2023 को पोषण भी पढाई भी (पीबीपीबी) पहल शुरू की ताकि दिव्यांग बच्चों सहित छह वर्ष से कम आयु के बच्चों को प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा तथा पोषण सेवा प्रदान करने की उनकी क्षमता को बढ़ाया जा सके।

आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों की क्षमता निर्माण की परिकल्पना आंगनवाड़ी को एक शिक्षण केंद्र में बदलने के प्रथम चरण के रूप में की गई है जिसमें उच्च गुणवत्ता वाले बुनियादी ढांचे, खेल के उपकरण और अच्छी तरह से प्रशिक्षित आंगनवाड़ी कार्यकर्त्री होंगे। एमडब्ल्यूसीडी इस कार्यक्रम के तहत दो स्तरीय प्रशिक्षण कार्यान्वयन मॉडल पर विशेष ध्यान देता है। निपसिड को नई दिल्ली स्थित उसके मुख्यालय और देश भर में स्थित पाँच क्षेत्रीय केंद्रों के माध्यम से पोषण भी पढाई भी के तहत आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों का क्षमता निर्माण का काम सौंपा गया है।

प्रथम स्तर में निपसिड मुख्यालय और इसके पांच क्षेत्रीय केंद्रों के माध्यम से सीडीपीओ, पर्यवेक्षकों और राज्य-नामित अतिरिक्त संसाधन व्यक्तियों सहित राज्य स्तरीय मास्टर प्रशिक्षकों (एसएलएमटी) का प्रशिक्षण शामिल है। उन्हें ऑनलाइन और ऑफलाइन (व्यक्तिगत रूप से) दोनों तरह के प्रशिक्षणों वाले हाइब्रिड मॉडल में 2 दिन का प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके अलावा द्वितीय स्तर में देश भर में आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों के लिए ऑफलाइन मोड में 3-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला शामिल है। पोषण भी पढाई भी कार्यक्रम 2023-2026 तक दो चरणों में चलाया जा रहा है जिसके लिए 476 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है।

व्यापक आईसीडीएस के अंतर्गत आंगनवाड़ी सेवा योजना के कार्यकर्ताओं के लिए यूट्यूब प्लेटफॉर्म का उपयोग करके नवचेतना और आधारशिला तथा पोषण भी पढाई भी पर मास्टरक्लास आयोजित किए जा रहे हैं जिन्हें अब तक कुल 6.3 लाख बार देखा

जा चुका है तथा अद्वितीय दर्शकों की संख्या 3.27 लाख है। इन मास्टर कक्षाओं के लिए कुल 80,472 आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों ने ऑनलाइन पंजीकरण कराया है। ये अभिविन्यास कार्यक्रम अंग्रेजी और हिंदी के अलावा असमिया, कन्नड़, तमिल और तेलुगु जैसी क्षेत्रीय भाषाओं में भी आयोजित किए गए हैं।

महाराष्ट्र राज्य में 16.12.2024 तक कुल 1590 राज्य स्तरीय मास्टर प्रशिक्षकों (सीडीपीओ, पर्यवेक्षकों और अतिरिक्त संसाधन व्यक्ति) और 12258 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को पोषण भी पढ़ायी भी कार्यक्रम चलाने के लिए प्रशिक्षित किया गया है।

(ङ) और (च): पोषण भी पढाई भी कार्यक्रम की निगरानी डिजिटल तरीके से की जाती है। तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों के दौरान पंजीकरण, पूर्व-मूल्यांकन और पश्चात-मूल्यांकन के लिए गूगल फॉर्म का उपयोग किया जाता है। एक डैशबोर्ड केंद्रीय रूप से उपलब्ध है जिसमें प्रशिक्षण के साथ-साथ पोषण भी पढाई भी के प्रतिभागियों के बारे में विवरण है।

आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों को पोषण और शिक्षा के दोनों घटकों पर प्रशिक्षित किया जा रहा है जिसमें जन्म से तीन वर्ष तक के बच्चों के लिए प्रारंभिक बाल्यावस्था प्रोत्साहन के लिए नवचेतना-राष्ट्रीय फ्रेमवर्क और तीन से छह वर्ष तक के बच्चों के लिए प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा के लिए आधारशिला-राष्ट्रीय पाठ्यक्रम शामिल है। एमडब्ल्यूसीडी द्वारा जारी दिव्यांग प्रोटोकॉल पोषण भी पढ़ाई भी कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण आकर्षण है। पोषण घटक में सीएमएएम प्रोटोकॉल को भी शामिल किया गया है।

आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम को दीर्घकालिक रूप से अधिक टिकाऊ बनाने के लिए, आधारशिला और नवचेतना दोनों के प्रावधानों को पोषण ट्रैकर पर शामिल किया जा रहा है जिसमें साप्ताहिक गतिविधि कार्यक्रम, गृह भ्रमण मार्गदर्शन, बाल विकास पर नज़र रखने के लिए मूल्यांकन उपकरण इत्यादि शामिल हैं। इनमें बच्चों के साथ सरल खेल-आधारित शिक्षण गतिविधियाँ कैसे संचालित की जाएँ, इस पर वीडियो के रूप में रोज़ाना काम के दौरान दिए जाने वाले निर्देश शामिल हैं। पोषण ट्रैकर पोर्टल पर 230 अद्वितीय वीडियो के साथ कुल 432 वीडियो स्लॉट अपलोड किए गए हैं। 1008 गतिविधि विवरण, 1008 दैनिक पीडीएफ और दैनिक वॉयस नोट स्लॉट भी अपलोड किए गए हैं।

*****